कांग्रेस गरीबी उन्मूलन तथा अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग में बेरोजगारी दूर करने में नाकाम रही है जिस वजह से कई लोग नक्सली बन रहे हैं -मायावती, बसपा प्रमुख

2020 तक 15 फीसदी बच्चों के इसकी चपेट में आने की आशंका

संयुक्त परिवार टूटने से बढ़ रहा बच्चों में ऑटिज्म!

नई दिल्ली | मदन जैड़ा

डिस्लेक्सिया की तरह बच्चों में एक और मानसिक विकार ऑटिज्म तेजी से बढ़ रहा है। संयुक्त परिवारों के टूटने, शहरी जीवन में मां-बाप के बच्चों से दूर होने के कारण बच्चों में यह खतरा बढ़ा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा अध्ययन में दावा किया गया है कि यदि यही हाल रहा तो 2020 तक 15 फीसदी बच्चे ऑटिज्म की जद में होंगे।

मंत्रालय ने इससे जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए सोमवार को एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया है। इसका उद्घाटन राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की चैयरमैन सोनिया गांधी करेंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव (मानसिक रोग) सुजया कृष्णन के अनुसार, 1990 में दस फीसदी बच्चों के ऑटिज्म की जद में होने का अनुमान था। लेकिन 2011 में यह आंकड़ा बढ़कर 14 फीसदी और 2020 तक इसके 15 फीसदी होने का अनुमान है। डिस्लेक्सिया से काफी हद तक मिलती-जुलती इस बीमारी में भी बच्चों का सामान्य माानसिक नहीं हो पाता है। वे सामान्य बच्चों की तरह पढ़-लिख नहीं पाते हैं। हाल में एक बॉलीवुड फिल्म बर्फी में इसे दर्शाया गया है। डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल में मनोरोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. निदेश त्यागी के अनुसार, एक से तीन साल के बच्चों में यह विकार पैदा होता है। ऐसे बच्चे खुद में खोए रहते हैं। प्रत्यक्ष रूप से उनकी बीमारी का अंदाजा लगा पाना मुश्किल होता है। यदि मां-बाप को लगता है कि बच्चे की गतिविधियां सामान्य नहीं हैं तो मनोरोग विशेषज्ञ को दिखाएं। डॉक्टर विस्तृत प्रश्नावली के आधार पर ही तय करते हैं कि बच्चे ऑटिज्म से ग्रस्त हैं। समय पर उपचार हो तो 50 फीसदी से ज्यादा बच्चे सामान्य हो जाते हैं।

बीमारी से निपटने की तैयारी

- रोकथाम के उपायों के लिए दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आज
- कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी करेंगी उद्घाटन

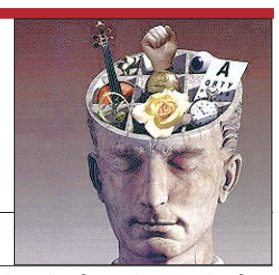

ये है पहचान

• बच्चे अपने आप में खोए रहते हैं • किसी से आंखें नहीं मिलाते • गोद में नहीं जाते, जाते भी हैं तो चुपचाप पड़े रहते हैं • पालने में रहने वाले बच्चों में हिलडुल कम होती है • चोट का एहसास नहीं होता है • कोई मांग नहीं करता है • मैं की जगह तुम का इस्तेमाल करते हैं • लिखने में शब्दों को उल्टा लिख सकते हैं

खिलौनों के भरोसे बढ़ रहे बच्चे

आजकल संयुक्त परिवार खत्म हो रहे हैं। शहरों में मां-बाप के नौकरीपेशा होने के कारण वे बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पाते हैं। बच्चे खिलौनों, वीडियो गेम और टीवी के भरोसे बढ़ रहे हैं। इन कारणों से ऑटिज्म बढ़ रहा है। - डॉ. दिनेश त्यागी, मनोरोग विशेषज्ञ

कैश ट्रांसफर योजना को लग सकता है झटका

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

केंद्र सरकार की कैश ट्रांसफर योजना को एक और झटका लग सकता है। सरकार एलपीजी सब्सिडी को सीधे बैंक खातों में जमा करने की योजना को आगे बढ़ा सकती है। सरकार ने दिल्ली के दो और झारखंड के चार जिलों समेत 43 शहरों में 15 फरवरी से इस योजना को लागू करने का ऐलान किया था।

पेट्रोलियम मंत्रालय का कहना है कि जिन शहरों में एलपीजी सब्सिडी के लिए नकद अंतरण योजना लागू करने का फैसला किया गया था, उनमें ज्यादातर शहरों में उपभोक्ताओं के आधार कार्ड नहीं बन सके हैं। इसलिए पेट्रोलियम मंत्री एम वीरप्पा मोइली इस समय सीमा को बढ़ाने का ऐलान कर सकते हैं। हालांकि, मंत्रालय के अफसर कुछ जगह इस योजना को शुरू करने की संभावनाओं से भी इनकार नहीं कर रहे हैं।

सरकार जिन शहरों में इस योजना को लागू करने की तैयारी कर रही है, उन शहरों में उपभोक्ताओं को आधार कार्ड बनवाकर अपने बैंक अकाउंट से लिंक कराना होगा। उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर गैर सब्सिडी दाम पर खरीदना होगा। सब्सिडी की रकम माह के आखिर में सीधे बैंक अकाउंट में पहुंचेगी। मंत्रालय का मानना है कि इससे जहां सब्सिडी खर्च में कटौती होगी, वहीं सही उपभोक्ताओं को ही सब्सिडी का लाभ मिलेगा।

एलपीजी पर सब्सिडी

- 15 फरवरी से लागू करने की समय सीमा बढ़ा सकती है सरकार
- ज्यादातर शहरों में नहीं बन पाए हैं उपभोक्ताओं के आधार कार्ड

कहां लागू होनी है योजना

- दिल्ली-उत्तर-पूर्व और उत्तर पश्चिम
- झारखंड-रांची, हजारीबाग और रामगढ़ • गुजरात-आणंद, भावनगर और वलसाड़ • चंडीगढ़, गोवा, दमन द्वीप और पुडुचेरी

942 रुपये का मिलेगा गैस सिलेंडर | 410 रुपये का है सब्सिडी दाम पर सिलेंडर | 532 रुपये हर सिलेंडर पर सब्सिडी देती है सरकार | नौ सिलेंडरों की सब्सिडी ही खाते में

भ्रूण हत्यारों का किया जाएगा बहिष्कार

खेखड़ा (बागपत)। रविवार को एक सर्वजातीय पंचायत में सामाजिक कुरीतियों के खात्मे के लिए बच्चों को संस्कारवान बनाने और दहेज लोभियों और कन्या भ्रूणहत्या के आरोपियों का सामाजिक बहिष्कार करने का निर्णय लिया गया।

मोहल्ला मुंडाला में सती मंदिर परिसर में सभी बिरादरियों की पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत में वक्ताओं का कहना था कि कन्या भ्रूण हत्या महापाप है। इनके आरोपियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। **(ह.सं)**

यूपीए सरकार पूरा करेगी अपना कार्यकाल : तिवारी

हैदराबाद। इस साल आम चुनाव होने की चर्चा के बीच सूचना एवं प्रसारण मंत्री मनीष तिवारी ने रविवार को कहा कि यूपीए सरकार सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी। वहीं, भाजपा नेता एम. वेंकैया नायडू ने जल्द चुनाव कराने की संभावना जताई है।

तिवारी ने कहा, 2004 में यूपीए पांच साल के लिए चुना गया था। हमने लोगों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और अपना जनादेश पूरा किया। हममें अपने सहयोगियों के प्रति पूरा सम्मान है। लेकिन भारत के लोगों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता सर्वोपरि है। दूसरी ओर, नायडू ने कहा कि कांग्रेस की अगुवाई वाली यूपीए सरकार एक लोकप्रिय बजट पेश करने के बाद समय से पहले चुनाव कराने पर गंभीरता से विचार कर रही है ताकि वह वोट हासिल कर सके।

उन्होंने कहा कि देश की जनता यूपीए के अप्रभावी प्रदर्शन से तंग आ चुकी है। देशभर में कांग्रेस विरोधी लहर है, क्योंकि इसने जनविरोधी और किसान विरोधी नीतियां अपनाईं, जिससे जरूरी सामानों की कीमतें आसामान छूने लगीं। **(एजेंसी)**

अखबारों के प्रकाशन पर पाबंदी की निंदा

श्रीनगर। कश्मीर एडिट्र्स गिल्ड ने घाटी में अखबारों के प्रकाशन पर रोक लगाए जाने के सरकार के फैसले की निंदा की है। अफजल को फांसी दिए जाने के बाद राज्य सरकार ने यह पाबंदी लगा दी थी।

गिल्ड के एक प्रवक्ता ने कहा कि कश्मीर के मीडिया पर सरकार की पाबंदी किसी भी सूरत में सही नहीं है। उन्होंने दावा किया कि पुलिस ने अखबारों की प्रिंटिंग प्रेसों पर जाकर प्रकाशन बंद करने को कहा। पुलिस ने उन अखबारों की प्रतियां भी जब्त कर लीं, जो शनिवार रात अपने संस्करणों का प्रकाशन कर चुक थे।

आईना

व्यापार बन गई है राजनीति : वरुण

फर्रुखाबाद। भाजपा सांसद वरुण गांधी ने कहा है कि राजनीति व्यापार बन गई है। इससे जुड़े विभिन्न पदों पर आसीन लोग तथा सांसद एवं विधायक पैसे कमा रहे हैं जबकि इसका अर्थ सेवा होना चाहिए। उन्होंने जातिवाद तथा आरक्षण के नाम पर राजनीति करने वाले नेताओं और राजनीतिक दलों की निंदा की है।

बुद्धदेव का मंत्रियों पर धन उगाही का आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने तृणमूल कांग्रेस के मंत्रियों और विधायकों पर लोगों से धन उगाही करने का आरोप लगाया है।

भट्टाचार्य ने कहा, कोलकाता के हर इलाके में तृणमूल के लोगों ने दुर्गा पूजा समितियां गठित की हैं। इन समितियों के जरिए लाखों-करोड़ो रुपये जमा किए गए। इन समितियों का नेतृत्व तृणमूल का कोई मंत्री या विधायक करता है। ये समितियां स्थानीय लोगों से पैसा एकत्र करती हैं। क्या यह उगाही नहीं है।

दिल्ली चुनाव में आम आदमी पार्टी की परीक्षा

पणजी। आम आदमी पार्टी (एएपी) के सह संस्थापक प्रशांत भूषण ने रविवार को कहा कि 2013 में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव पार्टी के लिए परीक्षा होगी। भूषण ने कहा कि इसी साल दिल्ली विधानसभा के चुनाव होने हैं। हम वह चुनाव लड़ने की उम्मीद करते हैं।

अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए पहल

पटना। ट्रेन में अपराधियों व लफंगों पर शिकंजा कसने के लिए रेल पुलिस ने एक नई पहल शुरू की है। इसके तहत रेल पुलिस ने रेल एडीजी से लेकर जीआरपी थानेदारों तक का मोबाइल नम्बर जारी किया है। ये सभी नम्बर ट्रेनों के रेलकर्मियों टीटीई, कोच अटेन्डेंट आदि को दिया गया है। इसका सुविधा का मकसद ट्रेन में किसी तरह की अप्रिय घटनाएं रोकने के लिए है।

मौसम में बदलाव गेहूं के लिए वरदान

पूसा | अतुल कुमार सिंह

जलवायु परिवर्तन ने अपना असर सालों भर उगाए जानेवाली फसलों पर डाला है। इससे न केबल धान व मक्का की फसलें प्रड्ढावित हुई बल्कि दलहन और रबी फसलों पर भी बुरा असर पड़ा है। उत्तर बिहार में दिसंबर और जनवरी महीने में जरूरत से अधिक ठंड पड़ने के कारण दलहन की फसलों पर प्रतिकूल प्रड्ढाव पड़ रहा है। लेकिन दिलचस्प है कि इसका असर गेहूं जैसी रबी फसल पर सकारात्मक रहा है।

केंद्र सरकार के रिकॉर्ड के मुताबिक, बुवाई में रबी फसलों का रकबा बढ़ा है लेकिन उसमें लागत और उपज का हिसाब लगाएं तो असंतुलन ही सामने आता है। देश में किसानों ने दिसंबर के पहले सप्ताह तक 4 करोड़ 82 लाख 10 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं और दलहन जैसी रबी की फसलों की बुवाई की, जो बीते साल की इसी अवधि के मुकाबले करीब तीन प्रतिशत अधिक रही। कृषि मंत्रालय के मुताबिक, किसानों ने बीते साल की इसी अवधि के दौरान 4 करोड़ 69 लाख 70 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में रबी फसलों की बुवाई की थी। रबी फसलों की बुवाई अक्तूबर में शुरू होती है, जबकि फसलों की कटाई अप्रैल में होती है।

कृषि मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, धान को छोड़कर अन्य रबी फसलों का रकबा पिछले साल के मुकाबले बेहतर रहा। गेहूं का बुवाई रकबा उपरोक्त अवधि में 2 करोड़ 27 लाख 40 हजार हेक्टेयर रहा, जबकि बीते साल की इसी अवधि में यह 2 करोड़ 20 लाख 80 हजार हेक्टेयर था। विशेषज्ञों ने कहा कि धान की फसलों की देरी से कटाई के चलते गेहूं की बुवाई में विलंब हुआ।

उत्तर बिहार में मौसम की चाल को देखते हुए पैदावार के बारे में समय आने पर ही पता चल पाएगा। लेकिन जो तत्काल असर दिख रहा है उसके अनुसार, नवंबर के अंत में ठंड शुरू होने की वजह से देर से बोए जाने वाले गेंहूं के लिए अच्छा रहा है। ज्ञातव्य है कि धान की फसलों में देरी और पानी लगे रहने से पिछले कुछ सालों से बिहार में गेहूं देर से बोया जाने लगा है। सेंट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइलैंड एग्रीकल्चर के निदेशक बी. वेंकटेश्वरलू का कहना है कि जनवरी में बढ़ी ठंड की वजह से 40 लाख टन तक गेंहूं की पैदावार पूरे देश में कम होने की संड्ढावना है। उन्होंने कहा कि फरवरी में सामान्य से कहीं 1.5 डिग्री तक न्यूनतम गर्मी अधिक हो रही है। इसका असर गेंहूं में दाने आने पर पड़ रहा है। फरवरी में ही दाने आने का समय होता है। वहीं राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के रबी विड्ढाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. डी.के. रॉय ने मौसम में आए इस बदलाव को गेहूं के लिए वरदान बताया। रॉय का कहना है कि पिछले कुछ सालों से इस तरह की प्रवृत्ति अच्छे संकेत हैं। हालांकि जहां ज्यादा बारिश हो जाती है वहां कुछ नुकसान जरूर हो रहा है।

त्रिपुरा में प्रचार करेंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी सोमवार को त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करेंगे। पार्टी उपाध्यक्ष बनने के बाद राहुल गांधी का यह पहला चुनावी दौरा होगा। वे चार जनसभाओं को संबोधित करेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को रविवार को जनसभाओं को संबोधित करना था। पर उनका दौरा रद्द हो गया। राहुल गांधी ने 15 फरवरी को सभी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और विधायक दल के नेताओं की बैठक बुलाई है। पार्टी रणनीतिकारों का मानना है कि कांग्रेस मुख्यालय में होने वाली बैठक में राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए निर्देश दे सकते हैं। यहां अक्तूबर-नवंबर में चुनाव होने हैं।

कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव की तैयारियां भी शुरू कर दी है। ऐसे में राहुल के साथ होने वाली प्रदेश नेताओं की बैठक को काफी अहम माना जा रहा है।पार्टी उपाध्यक्ष के तौर पर अपने पहले भाषण में राहुल गांधी टिकट बंटवारे को लेकर सवाल उठा चुके हैं।

जयपुर घोषणा पत्र में कहा गया है कि पार्टी के वरिष्ठ नेता किसी के नाम की सिफारिश करते हैं, अगर वह चुनाव हारता है, तो उस नेता को विफलता की जिम्मेदारी लेनी होगी। पार्टी नेता मानते हैं कि राहुल गांधी चुनाव वाले राज्यों के नेताओं से संभावित उम्मीदवारों की सूची में कार्यकर्ताओं को तरजीह देने के निर्देश दे सकते हैं। **(वि.सं)**

चुनावी तैयारी

- पार्टी उपाध्यक्ष बनने के बाद पहला चुनावी दौरा
- 15 को सभी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों की बैठक

बाबू गुलाब राय की 125वीं जयन्ती मनाई गई

नई दिल्ली। हिन्दी के सुप्रसिद्ध साहित्यकार, लेखक, समीक्षक एवं दार्शनिक बाबू गुलाब राय की 125वीं जयन्ती समारोह रविवार को सी डी देशमुख सभागार, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में बाबू गुलाबराय स्मृति संस्थान के तत्वावधान में भव्य रूप में मनाया गया।

समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि लोकलेखा समिति के सभापति एवं पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ.मुरली मनोहर जोशी ने किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ.मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि मैंने छात्र जीवन में बाबू जी के निबंध पढ़े मगर विज्ञान का छात्र होने के कारण मैं इनसे दूर हो गया।

उनके निबंधों में इतनी गम्भीरता होती थी कि अध्यापक भी अध्यापन में सोचते थे लेकिन गम्भीर बातों को भी बहुत ही सरलता से प्रस्तुत किया गया था। बाबू जी ने हिन्दी को उस समय ऊंचाईयों पर पहुंचाया था जब उसका चलन नहीं था। **(हिटी)**

बर्बादी से बचा लें खाना, कोई नहीं रहेगा भूखा

नई दिल्ली | एजेंसियां

दुनिया में हर साल बर्बाद होने वाले खाद्य पदार्थ को बर्बाद होने से बचा लिया जाए तो सात अरब की आबादी में कोई भूखा नहीं सोएगा।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनइपी) के अनुसार धनाढ्य वर्ग की विलासिता और खेती-किसानी और अनाज के रखरखाव के गलत तौर तरीकों के कारण दुनिया में हर साल 1.3 अरब टन खाद्य पदार्थ बर्बाद हो जाता है। इसे मामूली उपायों से बचाया जा सकता है। यूएनइपी के अनुसार हर वर्ष दुनिया में कुल उत्पादित खाद्य पदार्थ का एक तिहाई हिस्सा बर्बाद हो जाता है।

यदि उपभोक्ता (उत्पादक) रिटेलर्स और होटल जैसे आतिथ्य उद्योग समन्वित रूप से मामूली उपाय भी करें तो प्रति वर्ष 1.3 अरब टन खाद्य पदार्थ को बर्बाद होने से बचाया जा सकता है और सात अरब की विशाल आबादी वाली दुनिया में कोई भूखा नहीं सोएगा। यूएनइपी ने खाद्य एवं कृषि संगठन (एफओए) तथा वेस्ट ऐंड रिसोर्स ऐक्शन प्रोग्राम (डब्ल्यूआरएपी) जैसे संगठनों के साथ मिलकर खाद्यान्न बचाओ नाम से वैश्विक पहल की है। एफओए के अनुसार विकसित देशों के लोग पहले तो अपनी जरूरत से बहुत ज्यादा खरीदारी कर लेते हैं फिर खाने योग्य चीजों को कूड़े में फेंक देते हैं।

ये है हकीकत

- 30 करोड़ टन खाद्यान्न कूड़े में चला जाता है हर साल
- 87 करोड़ भूखों का पेट भर सकता है विकसित देशों की बर्बादी रोकने से
- 115 किलो खाद्य पदार्थ, प्रति व्यक्ति हर साल बर्बाद होता है यूरोप में
- 11 किलो खाद्य पदार्थ चौपट होता है प्रति व्यक्ति अफ्रीकी व एशियाई देशों में
- 1.2 अरब डॉलर बचाया जा सकता है ब्रिटेन में खाने की बर्बादी को कम करके (डब्ल्यूआरएपी के अनुसार)

ऐसे करें खाद्य पदार्थों की बचत

• अपने जरूरत के सामानों की सूची बनाकर ही खरीदारी करें • कंपनियों की ओर से मिलने वाले प्रलोभनों से बचें ये बेजा खरीदारी को प्रोत्साहित करती हैं • होटल वाले अपने मेन्यू की संख्या सीमित करें व लोगों को जरूरत के हिसाब से ही परोसें। • होटल वाले बर्बाद होने वाले खाने की मात्रा का पता लगाएं और इसे कम करने का लक्ष्य रखें

किसानों ने जेवर टोल प्लाजा पर कब्जा किया

टप्पल। टप्पल के आंदोलित किसानों ने रविवार को भाकियू नेताओं के साथ यमुना एक्सप्रेस वे के जेवर टोल प्लाजा पर कब्जा कर लिया।

यमुना एक्सप्रेस वे से प्रभावित किसानों की मांगों को लेकर भाकियू द्वारा गत आठ अगस्त से जिकरपुर में धरना दिया जा रहा है। लेकिन, भाकियू प्रतिनिधिमंडल की मुख्यमंत्री से वार्ता तक नहीं हो सकी। रविवार को दोपहर बारह बजे किसान ट्रैक्टर ट्रॉलियों और अन्य वाहनों से भाकियू प्रवक्ता अनिल तालान के नेतृत्व में जेवर टोल प्लाजा पहुंच गए और टोल के सभी दफ्तरों पर कब्जा कर लिया।

एसपी देहात गौतमबुद्धनगर आदि के मौके पर पहुंचने और डीएम से वार्ता कराने के आश्वासन पर किसानों ने टोल को कब्जा मुक्त कर दिया। **(व.सं)**

यूरोपीय सांसदों ने मोदी को किया आमंत्रित

अहमदाबाद। गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी का करीब एक दशक से जारी बहिष्कार समाप्त करने के बाद यूरोपीय संघ के सांसदों ने उन्हें नवंबर में ब्रुसेल्स में यूरोपीय संसद में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है। यह जानकारी उनके ब्लॉग से मिली है।

मोदी के ब्लॉग पर लिखा गया है कि सांसदों ने मोदी को इस वर्ष नवंबर में ब्रूसेल्स में यूरोपीय संसद में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है। संसद में 27 से अधिक देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही इस वर्ष बाद में यूरोपीय कारोबारी बैठक में भी हिस्सा लेने का निमंत्रण है।

ब्लॉग के अनुसार, मुख्यमंत्री की शनिवार को यूरोपीय सांसदों से ऑनलाइन चर्चा हुई जो बेंगलुरु में 10वें भारत कारपोरेट संस्कृति और अध्यात्मिकता सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं। सांसदों ने गुजरात के विकास की सराहना की और राज्य को सशक्त बनाने के लिए मोदी को बधाई दी। ब्लॉग के अनुसार, बातचीत के दौरान मोदी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए गुजरात सरकार की ओर से उठाए गए विभिन्न कदमों के बारे में जानकारी दी। **(एजेंसियां)**

जमा होने के 21 दिन के भीतर पैसा लेना जरूरी

किसी भी कोने में दस मिनट में मनी ट्रांसफर

जालंधर | भाषा

डाक विभाग ने भारत संचार निगम लिमिटेड के साथ फंड ट्रांसफर की व्यवस्था शुरू की है। इसके तहत किसी बैंक या डाकघर में खाता नहीं रहने पर भी केवल 10 मिनट में लोगों को रकम मिल जाएगी। हालांकि इसके लिए उन्हें निकटतम डाकघर जाना पड़ेगा। यह सेवा न केवल तत्काल राशि मुहैया कराती है, बल्कि मनी ऑर्डर से भी सस्ती है।

डाक विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, इस सेवा का सर्वाधिक लाभ कुशल और अकुशल क्षेत्र के श्रमिकों को मिलेगा, जो घर से दूर दूसरे प्रदेशों में काम करते हैं और रिश्तेदारों को पैसा भेजना चाहते हैं। विभाग का कहना है कि इसके लिए न तो भेजने वाले और न ही प्राप्तकर्ता को किसी बैंक या डाकघर में बचत खाता खोलने की जरूरत पड़ेगी। अलबत्ता, प्राप्तकर्ता के पास मोबाइल फोन होना चाहिए, क्योंकि फंड ट्रांसफर में मोबाइल नंबर की मदद ली जाती है। जालंधर के वरिष्ठ डाक अधिकारी जी.सी. गोयल ने बताया, पूरी प्रक्रिया 10 मिनट की है। रकम भेजने वाले को एक फॉर्म भरना पड़ता है, जिसमें प्राप्तकर्ता का मोबाइल नंबर भरना जरूरी है। जैसे ही विभाग को फॉर्म और पैसा मिलेगा, तत्काल एक सिस्टम जेनरेटेड कोड प्राप्तकर्ता के मोबाइल पर पहुंचेगा। वह इस कोड और नाम को बताकर अपने नजदीकी डाकघर से रकम प्राप्त कर सकता है।

भारत सरकार ने यह सेवा पिछले साल नवंबर में पंजाब, बिहार और केरल सहित कुछ अन्य प्रदेशों में शुरू की थी। अब यह करीब पूरे देश में शुरू हो चुकी है, लेकिन ज्यादातर लोगों को इसकी जानकारी नहीं है।

पूरी तरह से सुरक्षित

फंड ट्रांसफर की यह प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित है, क्योंकि सिर्फ प्राप्तकर्ता के मोबाइल पर ही सिस्टम जेनरेटेड पासवर्ड भेजा जाता है।